बुधवार
11 फरवरी 2026
- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 19
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गोली मारकर गैस एजेंसी स्वामी की हत्या

संवाददाता

देहरादून। हथियारबंद बदमाशों ने गोली मारकर गैस एजेंसी स्वामी की हत्या कर दिये जाने की घटना से क्षेत्र में हडकम्प मच गया। आनन फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हत्यारोपियों की तलाश शुरू कर दी। वहीं दिन दहाड़े हुए यह घटना दून में 90 के दशक की याद दिलाती है। जब सरेआम उस समय के नामी गैंगस्टर देवेन्द्र अरोड़ा उर्फ (निक्कू) द्वारा छात्र नेता विनोद बड़थ्वाल पर अपने शूटरों से सरेआम जानलेवा हमला कराया गया था। वहीं इस मामले में भी शूटरों द्वारा हत्या किये जाने की बात कही जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: साढे दस बजे डालनवाला कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि तिब्बती मार्केट के पास एक युवक को गोली मार दी है। सूचना मिलते ही डालनवाला कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को दून चिकित्सालय पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारी एकत्रित की तो पता चला कि मृतक प्रत्येक दिन परेड ग्राउंड में टेनिस खेलने आता था तथा आज भी वह टेनिस खेलकर सडक किनारे खडी अपनी कार की तरफ जा रहा था तभी वहां पर अनानास की ठेली से उसने अनानास खरीदा और अपनी कार की ओर चला तभी स्कूटी सवार दो लोग वहां पर पहुंचे और उन्होंने मृतक पर गोलियां बरसा दी। जिसके बाद उसकी मौत हो गयी।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अर्जुन शर्मा पुत्र कर्नल आरसी शर्मा निवासी जीएमएस रोड के रूप में हुई। मृतक अर्जुन शर्मा जीएमएस रोड पर स्थित अमरदीप गैस एजेंसी का स्वामी था। घटना की सूचना मिलते ही डीआईजी राजीव स्वरूप, एसएसपी अजय सिंह सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटना की जांच में मृतक के बारे में जानकारी की गयी तो मृतक का व्यवसाय को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था तथा उक्त विवाद के चलते मृतक की मां के द्वारा उच्च न्यायालय में अपने बेटे (मृतक) से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा प्राप्त किया जाना प्रकाश में आया है। पुलिस ने हत्यारोपियों की तलाश में टीमों का गठन किया गया। दिन दहाडे हुई इस हत्या से शहर में सनसनी फैल गयी। लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया कि दिन दहाडे स्कूटी सवार बदमाशों के द्वारा घटना को अंजाम देकर आराम से मौके से फरार हो जाना लोगों में चिन्ता का विषय बना हुआ है।

अर्जुन की पत्नी ने कराया मुकदमा दर्ज, सास सहित चार नामजद

देहरादून। आज प्रांत: परेड ग्रांउड के समीप जीएमएस रोड निवासी अर्जुन शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। मृतक की पत्नी अभिलाषा शर्मा ने मामले मे अपनी सास बीना शर्मा, विनोद उनियाल, उसकी पत्नी संगीता उनियाल व एस.के. मेमोरियल हास्पिटल के मालिक अजय खन्ना के खिलाफ हत्या की धाराओ में मुकदमा दर्ज करा दिया है। जिस पर पुलिस जांच में जुटी है।

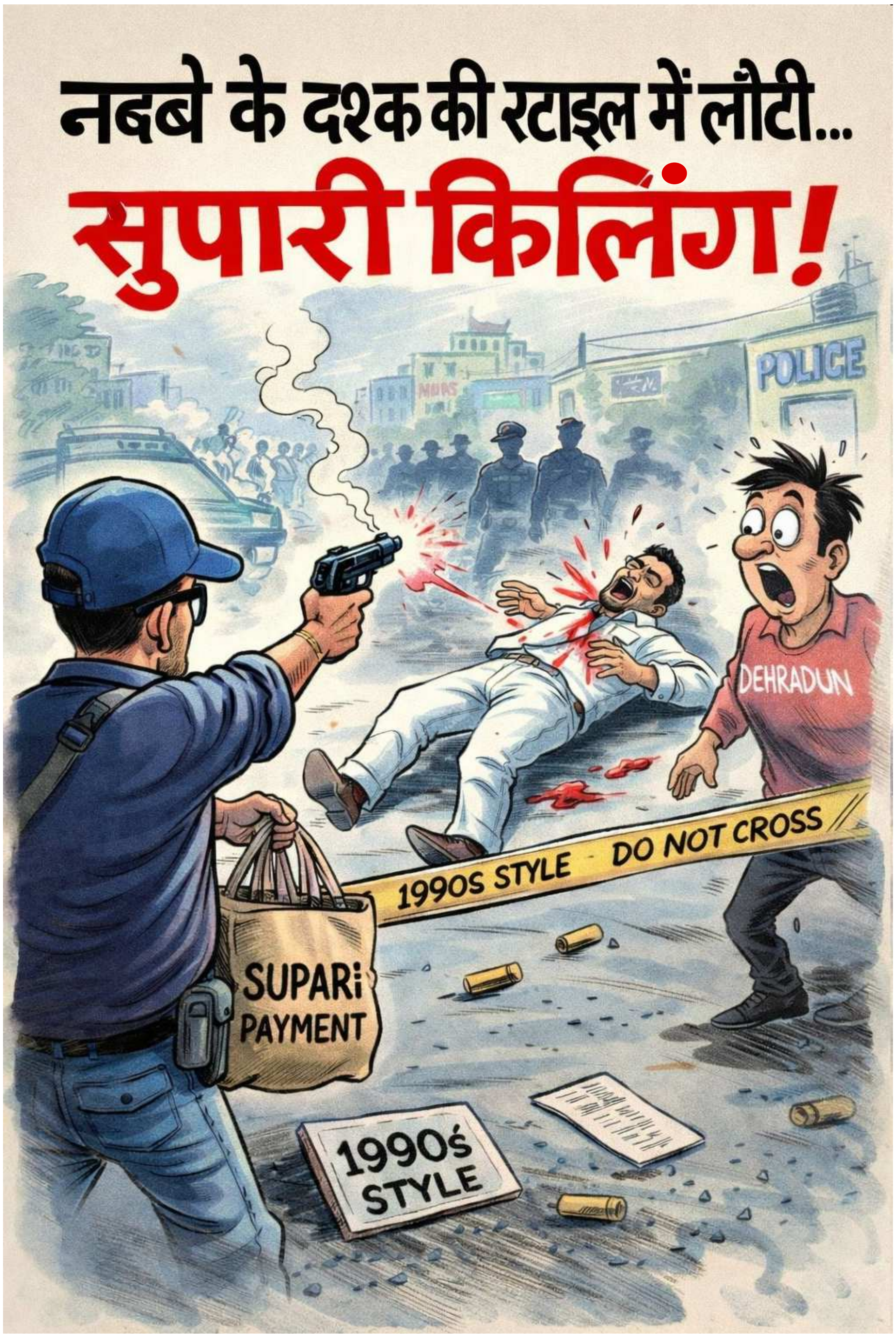

दून वैली मेल

संपादकीय

चरमरा गयी कानून व्यवस्था

राजधानी देहरादून की कानून व्यवस्था का हाल इन दिनो बेहाल हो चुका है। यह बात हम नहीं आये दिन दून में होने वाली लगातार आपराधिक वारदातों से सामने आ रहा है। बीते कुछ दिनों में जहां जिले में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की हत्या हो चुकी है वहीं कई स्थानों पर धारदार हथियार से हमले सहित अन्य कई वारदातों की खबरे सामने आयी है। इसे देखकर ऐसा लगता है कि दून में आपराधिक तत्वों पर कानून व्यवस्था का कोई खौफ नहीं है जिस कारण वह कहीं भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने में हिचक नही रहे है। बात अगर दिन दहाड़े दून में की गयी हत्याओं की करे तो पिछले 10 दिनों में एक युवती सहित दो लोगो की सरेआम हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। जिसमें से आज सुबह ही हत्यारों ने दिन निकलने के साथ ही राजधानी देहरादून में सरेआम गोली मारकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गयी। वहीं बीते रविवार को खुलेआम धारदार हथियारों से रायपुर क्षेत्र की अलग-अलग घटनाओं में दो युवको पर जानलेवा हमला किया गया है। जो इन दिनो अस्पताल में अपना उपचार करा रहे है। यह सब घटनाए यह बताने के लिए काफी है कि राजधानी में कानून व्यवस्था किस तरह से ध्वस्त हो चुकी है। कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का इससे बड़ा उदाहरण क्या हो सकता है कि विकासनगर क्षेत्र में हुई एक युवती की हत्या होने के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक उसके कथित हत्यारें चचेरे भाई को नहीं ढूंढ सकी है। चचेरे भाई को कथित हत्यारा इसलिए भी कहा जा रहा है कि क्या कहीं किसी अपराधी ने उसकी भी हत्या तो नहीं कर दी है? यह जांच का विषय है। जबकि मित्र पुलिस सिर्फ सर्विलांस के सहारे काम करती है। पुलिस का इस मामले में कहना है कि वह कथित हत्यारा चचेरा भाई मोबाइल इस्तेमाल नहीं करता था। पुलिस प्रशासन को अगर कानून व्यस्था को सही ढर्रे पर लाना है तो उसे सबसे पूर्व अपराधियों में कानून का खौफ बनाने की जरूरत है। नहीं तो इस तरह की घटनाए बढ़ना कोई बड़ी बात नहीं होगी। साथ ही अब राजधानी सहित पूरे राज्य में नशावर्ति पर भी ठीक ढंग से लगाम लगाने की जरूरत है। जिस कारण आपराधिक घटनाओं मे कमी आ सकेगी न कि सिर्फ कागजो में ही नशावर्ति रोके जाने की जरूरत है।

सोशल मीडिया का मायाजाल तोड़ रहा परिवारों की नींव, राज्य महिला आयोग ने जताई चिंता

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आधुनिकता की दौड़ में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव अब समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में बढ़ते दुष्प्रभावों और बिखरते पारिवारिक ताने-बाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने समाज में सोशल मीडिया के बढ़ते घातक प्रभावों और उससे उपजी गंभीर समस्याओं पर संज्ञान लिया है। उन्होंने अनुभव के आधार पर विश्लेषण के साथ भयावह पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों के संपर्क में आने से महिलाएं और बेटियां लगातार साइबर अपराध और अनैतिक रिश्तों के जाल में फंस रही हैं। 'डिजिटल फ्रेंडशिप' के नाम पर बन रहे ये रिश्ते न केवल वैवाहिक जीवन को तबाह कर रहे हैं, बल्कि मासूम जिंदगियों को भी गलत रास्ते पर ले जा रहे हैं।

आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी और बच्चे सोशल मीडिया

की आभासी दुनिया में इस कदर फंस गए हैं कि उनका अपने परिवार, अपनी संस्कृति और संस्कारों से नाता पूरी तरह टूटता जा रहा है। घर के बुजुर्गों और माता-पिता के साथ बच्चों का रिश्ता अब नाममात्र का रह गया है क्योंकि बच्चे मोबाइल की चकाचौंध में अपनी एक अलग ही काल्पनिक दुनिया बना लेते हैं और उसे ही अपना सब कुछ मान बैठते हैं।

कुसुम कंडवाल ने बतौर राज्य महिला आयोग अध्यक्ष अभिभावकों के लिए एक विशेष अपील की है कि माता-पिता अपने बच्चों से नियमित संवाद करें और उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रखते हुए उनके दिनभर की गतिविधियों की जानकारी लें। यह अत्यंत आवश्यक है कि समय-समय पर बच्चों के रहन-सहन, उनकी संगत और उनकी बदलती आदतों को बारीकी से परखा जाए। माता-पिता की सक्रिय निगरानी और बच्चों के साथ उनका मजबूत भावनात्मक रिश्ता ही उन्हें इस डिजिटल दलदल से बाहर निकाल सकता है और समाज को पतन की ओर जाने से रोक सकता है। उन्होंने महिलाओं और बेटियों को कहा कि स्क्रीन की चमक से रिश्ते नहीं चमकते, रिश्तों की चमक अपनों के साथ समय बिताने और संवाद से आती है। तकनीक का उपयोग स्वयं की उन्नति के लिए, अपनी संस्कृति और संस्कारों को समझने के लिए करें।

उन्होंने कहा कि राज्य महिला आयोग इस मामले पर संज्ञान लेते हुए हर प्रकार से हमारी भावी पीढ़ी सहित उनके अभिभावकों एवं परिजनों को भी जागरूक करने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा के सरकार एवं आयोग पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है, परंतु परिवार के लोगों को भी इसमें अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। सोशल मीडिया के माध्यम से समाज की मुख्य धारा से जुड़ने के साथ साथ हमें अपने परिवार में समन्वय बनाकर संस्कृति के नैतिक मूल्यों और संस्कारों को सीखना एवं समझना होगा।

उत्तराखण्ड पुलिस को यूपी पुलिस की तर्ज पर करना होगा कामःत्यागी

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि बेखौफ हत्यारों द्वारा की गई हत्या से प्रमाणित है की मित्र पुलिस की भूमिका का चोगा उतारकर हत्यारों को यूपी की तरह जहन्नुम पहुंचाना ही होगा। आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि राजधानी के केंद्र में हुई हत्या जिसकी कुछ दूरी पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृहसचिव,शासन के अधिकारी कुर्सियों पर विराजमान हैं, वहां बेखौफ हत्यारे द्वारा की गई हत्या से प्रमाणित है की मित्र पुलिस की भूमिका का चोगा उतारकर हत्यारों को यूपी की तरह जहन्नुम पहुंचाना ही होगा। दोषी पकड़े जाएंगे। मुकदमे चलेंगे। सजा तो बाद में। आमजन में फैलते आतंक को सख्ती से कुचलना होगा। मानव तथा तकनीकी संसाधनों के अभाव से जूझते पुलिस विभाग की आवश्यकताओं की शासन में लंबित पत्रावलियो पर तत्काल निर्णय लिए जाने चाहिए। कानून का डर जब तक पैदा नहीं होगा तब तक हत्याएं होती रहेगी। धामी खौफ होना जरूरी है।

सामाजिक सद्भाव और जनाकांक्षाएं विषय पर कार्यक्रम आयोजित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सामाजिक संस्थाओं की राष्ट्रीय हितों के संवर्धन में आज भी महत्वपूर्ण भूमिका है। पारस्परिक सौहार्द, भाईचारे एकजुटता, सहयोग की भावना जरूरतमंद नागरिकों के दुखों का सहारा बनती है। समाजसेवियों को अपने पूर्वाग्रहों से अलग होकर सार्वजनिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए खुद पहल करनी होगी। जीवन का लक्ष्य भी यही होना चाहिए।

कुछ ऐसे उदगार 'अपना परिवार' संगठन द्वारा सामाजिक सद्भाव और जनाकांक्षाएं विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का आयोजन मोहनी रोड पर स्थित मंदिर में किया

गया जिसकी अध्यक्षता संयुक्त नागरिक संगठन के अध्यक्ष ब्रिगेडियर केजी बहल और संचालन पुरुषोत्तम भट्ट ने किया।

इस अवसर पर अपना परिवार के संस्थापक रहे संजय श्रीवास्तव को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं भी दी गई। कार्यक्रम में डॉक्टर आरपी रतूड़ी, चंद्रशेखर कारगेती,ठाकुर शेर सिंह, दिनेश भंडारी,सुरेंद्र कुमार शर्मा,सुशील त्यागी,गौरव त्रिपाठी,राकेश काला, अंकित गोसाई,सचिन भट्ट,अनुज शर्मा, मयंक राजवंशी,अमित बेरी महेश आदि शामिल हुए।

रक्तदान शिविर में 65 युनिट रक्तदान हुआ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। महंत देवेंद्र दास महाराज के जन्मदिन के अवसर पर श्री इंद्रेश अस्पताल ब्लड बैंक के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन श्री महाकाल सेवा समिति और गुरु राम राय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया,जिसमें 65 युनिट रक्तदान हुआ। प्रात: मंहत देवेन्द्र दास महाराज के कर-कमलों द्वारा विधिवत रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया, जिसमें समिति ने महाराज का स्वागत किया। तत्पश्चात महाराज ने रक्तदान दाताओं को प्रस्तुति पत्र देकर सम्मानित किया और समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। शिविर में समिति के संरक्षक एवं सुप्रसिद्ध कथा व्यास सुभाष जोशी, मसूरी विधायक खजान दास, कैंट विधायक सविता कपूर, पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा, राज्य मंत्री अशोक वर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान समिति के बालकिशन शर्मा, संजीव गुप्ता, नितिन अग्रवाल,विनय प्रजापति, आयुष जैन, गौरव जैन, नितिन जैन, राहुल माटा, सुशील वाधवा, विक्रम चौधरी , जितेंद्र मलिक, उपस्थित रहे।

सीएम धामी के नेतृत्व में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान से सशक्त हो रहा जनसेवा तंत्र

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान निरंतर जनसेवा, सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस अभिनव अभियान के माध्यम से शासन को सीधे आम जनता से जोड़ते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत आज कुल 7 शिविरों (कैंपों) का आयोजन किया गया, जिनमें 5,507 नागरिकों ने प्रतिभाग कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। यह दर्शाता है कि आमजन का सरकार पर विश्वास निरंतर मजबूत हो रहा है।

अब तक अभियान के तहत कुल 604 शिविरों का सफल आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 4,74,285 से अधिक नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही है। इन शिविरों के माध्यम से राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, पेंशन, प्रमाण-पत्र, शिकायत निवारण सहित अनेक विभागीय सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्पष्ट विजन है कि शासन केवल सचिवालयों तक सीमित न रहे, बल्कि जनता के द्वार तक पहुँचे। इसी सोच के अनुरूप यह अभियान राज्य में लोक-हितैषी शासन, जवाबदेही और संवेदनशील प्रशासन की मिसाल बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है और "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान इस संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में इसे और अधिक प्रभावी बनाए जाने की बात कही।

प्रदेश सरकार इस अभियान के माध्यम से सेवा, समाधान और संतोष के सिद्धांत पर चलते हुए राज्य को विकास और सुशासन की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पबद्ध है।

दो दिवसीय प्रतिभा दिवस कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में दिखाई प्रतिभा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा में जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय प्रतिभा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य ललित मोहन पाण्डे ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जहां बच्चे होते हैं, वहां प्रतिभाओं का मेला स्वत: लग जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई प्रतिभा होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और आगे बढ़ने के अवसर देने की है। उन्होंने प्रतिभा दिवस के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक हरिवंश सिंह बिष्ट और डॉ. कमलेश सिराड़ी ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा, नियमों और गतिविधियों की जानकारी दी। प्रतियोगिताओं में विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा एक और दो की गणितीय दक्षता प्रतियोगिता में ताकुला ब्लॉक की जिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग की भाषाई दक्षता प्रतियोगिता में चौखुटिया ब्लॉक की देवांशी प्रथम रहीं, जबकि खेल एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता में लमगड़ा ब्लॉक के पूरब रावत ने पहला स्थान हासिल किया। कक्षा तीन, चार और पांच वर्ग में गणितीय दक्षता में लमगड़ा ब्लॉक के निर्मल रावत और भाषाई दक्षता में धौलादेवी ब्लॉक की आरती पाटनी प्रथम स्थान पर रहीं। कक्षा छह, सात और आठ वर्ग में भाषाई दक्षता प्रतियोगिता में लमगड़ा ब्लॉक की विद्या अधिकारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि खेल एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता में स्याल्दे ब्लॉक के तन्मय मनराल विजेता रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. भुवन चन्द्र पांडे ने किया। इस अवसर पर रमेश सिंह रावत, डॉ. प्रकाश पंत, अशोक बनकोटी, डॉ. हेमलता धामी, डॉ. सरिता पांडे, प्रकाश चंद आर्य, डॉ. कामक्षा मिश्रा, दीपक पांडे, सतीश चन्द्र भट्ट, पूरनचन्द्र पांडे, निम्मी बिष्ट, चंद्रा दत्त पांडे सहित विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभागी छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं और अभिभावक उपस्थित रहे।

डॉग बाइट के मामलों में लगातार इजाफा

रुड़की(आरएनएस)। रुड़की सिविल अस्पताल में डॉग बाइट के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में कुत्तों के काटने से पीड़ित 108 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें से 40 लोग ऐसे थे, जिन्हें सोमवार को ही लावारिस कुत्तों ने काट लिया था, जबकि शेष मरीज दूसरी और तीसरी डोज लगवाने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। मरीजों की बढ़ती संख्या से अस्पताल में दिनभर भीड़ बनी रही।

रुड़की व आसपास पिछले कुछ समय से डॉग बाइट के मामले प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। खासकर रिहायशी इलाकों, बाजारों और स्कूलों के आसपास लावारिस कुत्तों की संख्या बढ़ने से खतरा अधिक हो गया है। सुबह और शाम के समय लोग ज्यादा शिकार बन रहे हैं, जिससे आमजन में दहशत का माहौल है। सिविल अस्पताल रुड़की के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि अस्पताल में डॉग बाइट के शिकार सभी मरीजों को नियमानुसार एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है। जिन मरीजों को कुत्तों ने गंभीर रूप से काटा है या घाव ज्यादा गहरे हैं, उन्हें रेबीज से बचाव के लिए सीरम भी दिया जा रहा है। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि कुत्ते के काटने की स्थिति में घाव को तुरंत साबुन और साफ पानी से धोएं और बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपचार कराएं।

न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने नष्ट किए अवैध पटाखे

रुड़की(आरएनएस)। पिरान कलियर पुलिस ने सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर भंडारित किए गए अवैध पटाखों के एक बड़े जखीरे को न्यायालय के आदेशानुसार नष्ट कर दिया है। विस्फोटक सामग्री होने के कारण मालखाने और आसपास के क्षेत्र पर मंडरा रहे संभावित खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि दीपावली पर्व से पूर्व 9 अक्तूबर को पुलिस ने ईमलीखेड़ा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई की थी। यहां बिना लाइसेंस के घनी आबादी वाले क्षेत्र में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने शुभमपाल पुत्र राधेश्याम निवासी ग्राम ईमलीखेड़ा के कब्जे से 35 पेटी अवैध पटाखे बरामद किए थे। आरोपी के विरुद्ध विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर पटाखे जब्त कर लिए गए थे। जब्त किए गए पटाखों को थाना परिसर के मालखाने में सुरक्षित रखा गया था। हालांकि, विस्फोटक सामग्री होने के कारण शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य तकनीकी खराबी से भीषण आग लगने का डर बना हुआ था। इससे न केवल थाने की इमारत, बल्कि मालखाने में रखे अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सामान को भी गंभीर खतरा था। इन सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय रुड़की में विनिष्टीकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। न्यायालय ने मामले की गंभीरता और सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अवैध पटाखों को तत्काल नष्ट करने के आदेश जारी किए। कोर्ट के आदेश मिलते ही पुलिस टीम ने एक सुरक्षित और निर्जन स्थान पर ले जाकर इन पटाखों को पानी में भिगोकर या अन्य मानक प्रक्रियाओं के तहत विधिवत रूप से नष्ट कर दिया।

नया गांव पेलियो, चकमनसा में सखी वन धान केंद्र की शुरुआत

विकासनगर(आरएनएस)। सहसपुर ब्लॉक के नया गांव पेलियो, ग्राम पंचायत भुड्डी चकमनसा में सोमवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और ट्राई फेड के सहयोग से स्थापित सखी वन धन केन्द्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। धन केन्द्र के माध्यम से बोक्सा जनजाति के समूह की महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए जाएंगे। केन्द्र में कुल 55 महिलाएं शामिल हैं जो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के विभिन्न समूहों से जुड़ी हैं। केन्द्र में महिलाएं गांव में उत्पादित साबुत मसालों का क्रय, सफाई, पिसाई और पैकिंग करेंगी और उन्हें उच्च गुणवत्ता के साथ बाजार में उपलब्ध कराएंगी। एनआरएलएम की जिला मिशन प्रबंधक सोनम गुप्ता ने कहा कि इस पहल से गांव में महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी साथ ही किसानों को अपने उत्पाद बेचने का नया अवसर मिलेगा।

चार श्रम संहिताओं के विरोध में मजदूरों ने निकाली बाइक रैली

रुद्रपुर(आरएनएस)। चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) के विरोध में 12 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रीय आम हड़ताल को सफल बनाने के उद्देश्य से श्रमिक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सोमवार को बाइक रैली निकाली गई। रैली परशुराम चौक ट्रांजिट कैंप से शुरू होकर गांधी पार्क तक पहुंची। परशुराम चौक पर आयोजित संक्षिप्त सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार के लागू किए गए चार श्रम संहिताएं मजदूर विरोधी हैं। सरकार ने पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर पूंजीपतियों के हित में नए कानून लागू किए हैं, जिससे श्रमिकों का शोषण बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग पहले से ही कठिन हालात में जीवन यापन कर रहा है और नई श्रम संहिताएं उसे बंधुआ मजदूरी की ओर धकेलेंगी। सीएसटीयू के मुकुल ने कहा कि सरकार श्रम संहिताओं को आकर्षक शब्दों में प्रस्तुत कर मजदूरों को गुमराह कर रही है। पुराने 29 श्रम कानूनों में जो अधिकार मजदूरों को प्राप्त थे, उन्हें समाप्त कर चार श्रम संहिताएं लाई गई हैं। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में स्थायी रोजगार की जगह फिक्स्ड टर्म नौकरी लागू होगी, जिससे श्रमिकों पर हमेशा नौकरी जाने का खतरा बना रहेगा। मुकुल ने कहा कि इन कानूनों के तहत यूनियन बनाकर मजदूरों का संगठित होना असंभव हो जाएगा, जिससे कंपनियों को मजदूरों का शोषण करने की खुली छूट मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि अब 300 श्रमिकों तक की नियुक्ति करने वाले उद्योग बिना राज्य सरकार की अनुमति के कभी भी बंद किए जा सकेंगे, जबकि पहले यह सीमा 100 श्रमिकों की थी। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार देश की जमीन और संसाधनों को अडानी, अंबानी जैसे बड़े पूंजीपतियों को सौंप रही है और अमृतकाल के नाम पर गैर-संवैधानिक नीतियों को कानूनी जामा पहनाया जा रहा है। इस मौके पर भाकपा(माले) के ललित मटियाली, इंकलाबी मजदूर केंद्र के दिनेश चंद्र, ऐक्टू जिला सचिव अनिता अन्ना, हरेंद्र सिंह, महेंद्र राणा, जगमोहन, पुष्कर खाती, भीम सिंह, कमल, डूंगर सिंह, धीरज जोशी, हीरा राठौर सहित दर्जनों श्रमिक मौजूद रहे।

एमईएस कर्मियों का यातायात नियमों की जानकारी दी

पिथौरागढ़(आरएनएस)। जाजरदेवल पुलिस ने एमईएस भड़कटिया में जागरूकता शिविर का आयोजन किया। थानाध्यक्ष मनोज पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम भड़कटिया पहुंची। इस दौरान पुलिस ने कर्मचारियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। साथ ही पुलिस ने कर्मचारियों को वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर मामलों को लेकर भी जागरूक किया। पुलिस ने कर्मचारियों से किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर उसकी जानकारी पुलिस को देने को कहा।

दुइंक शिविर में गूंजी लो-वोल्टेज की समस्या

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जन-जन की सरकार, जन जन के द्वार अभियान के तहत प्रशासन की ओर से न्याय पंचायत दुइंक में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने गांव में लो-वोल्टेज की शिकायत की। कहा कि लो-वोल्टेज के कारण ग्रामीणों के मोबाइल फोन तक चार्ज नहीं हो पा रहे। नाराज जनप्रतिनिधियों ने ऊर्जा निगम के अवर अभियंता के स्थानांतरण की मांग रखी और इसकी लिखित रूप से शिकायत दर्ज कराई।

सोमवार को दुइंक में जन जन की सरकार शिविर के दौरान उपजिलाधिकारी बड़कोट बृजेश कुमार तिवारी ने जनसमस्याएं सुनीं। शिविर के दौरान 19 शिकायतें दर्ज हुई जिनमें से अधिकांश का मौके पर निस्तारण हुआ। ग्रामीणों ने नौगांव पीएमजीएसवाई की ओर से बनाई जा रही काण्डी डियाड़ी मोटर मार्ग पर सचिन चौहान की ओर से प्रतिकर न दिए जाने की शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि लंबा समय बीत चुका है लेकिन अभी तक प्रतिकर भुगतान नहीं हुआ। एसडीएम ने इस मामले में संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों ने स्टाल लगा कर सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक श्याम डोभाल ने सरकार की ओर से संचालित जनता के द्वार कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की। शिविर के दौरान राजस्व विभाग की ओर से पांच स्थायी और जाति प्रमाणपत्र, ग्राम्य विकास की ओर से पांच बीपीएल प्रमाणपत्र, श्रमिक विभाग की बीस पंजीकरण विद्युत विभाग की ओर से दो विद्युत कनेक्शन आवेदन व तीन उपभोक्ताओं के बिल जमा करवाए गए। शिविर में कार्यक्रम समन्वयक श्याम डोभाल, तहसीलदार रेनु सैनी, नोडल हिमांशु उप्रेती, बीडीओ प्रकाश पंवार, प्रभारी खंड शिक्षाधिकारी नरेश रावत, प्रधान दुइंक त्रेपन रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य शीतल गौड़, विजय राणा, सुल्तान पंवार आदि उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाई आधुनिक भारत की तस्वीर

रुद्रपुर(आरएनएस)। श्री कृष्ण मर्चेंट एसोसिएशन (एसकेएमए) इंटर कॉलेज में दो दिवसीय जिला स्तरीय इंस्पायर अवॉर्ड प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से चयनित 267 विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक मॉडल व प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर आधुनिक भारत की तस्वीर को रेखांकित किया। सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक तिलकराज बेहड़ ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विधायक बेहड़ ने एसकेएमए इंटर कॉलेज को गोद लेने की घोषणा करते हुए विद्यालय के विकास के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा से बड़ी कोई पूंजी नहीं है। आज का बच्चा ही कल देश का प्रतिनिधित्व करेगा। बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की जिम्मेदारी माता-पिता, शिक्षक और समाज के सभी वर्गों की है। उन्होंने कॉलेज को हर संभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। वहीं मुख्य शिक्षा अधिकारी कुंवर सिंह रावत ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता को मंच प्रदान करते हैं और उन्हें भविष्य का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों ने नवाचार आधारित मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति गिरधारी लाल गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि मनोज सिंघल, मुकेश अग्रवाल और रोशन लाल सिंघल ने विद्यार्थियों के बैठने के लिए 500 कुर्सियां देने की घोषणा की। कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकेश अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. हिमांशु वर्मा, डॉ. महेंद्र मोहन शर्मा, सुनील भास्कर, डॉ. कमल रावत, भूपाल सिंह नेगी, फैज अहमद, अंकित पांडे, राजीव सिंह, वीरेंद्र कुमार, शुभम मित्तल, पूनम, तबस्सुम, गजेंद्र कुमार, प्रदीप जोशी, सीमा त्रिवेदी, आमोद सक्सेना सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए घर पर ऐसे बनाएं ऊनी दस्ताने

ठंड के मौसम में हाथों को गर्म रखना बहुत जरूरी है, खासकर जब आप बाहर होते हैं या किसी खुले स्थान पर काम कर रहे होते हैं। बाजार में कई तरह के ऊनी दस्ताने मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर पर भी इन्हें आसानी से बनाया जा सकता है? इस लेख में हम आपको घर पर ऊनी दस्ताने बनाने की प्रक्रिया बताएंगे, जिसके लिए आपको ज्यादा कुछ नहीं करना पड़ेगा।

ऊन का सही चयन करें

ऊनी दस्ताने बनाने के लिए सबसे पहले सही ऊन का चयन करें। बाजार में आपको अलग-अलग मोटाई और रंगों में ऊन मिलेंगे। मोटा ऊन ठंड से बेहतर तरीके से बचा सकता है, इसलिए मोटे ऊन का चयन करें। रंगों का चयन आप अपनी पसंद और उपलब्धता के अनुसार कर सकते हैं। ध्यान रखें कि ऊन अच्छी गुणवत्ता वाला हो ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आसानी से काम किया जा सके।

हाथों का माप लें और काटें

दस्ताने बनाने के लिए सबसे पहले अपने हाथों का माप लें ताकि दस्ताने आपके हाथों पर अच्छे से फिट हों। इसके लिए आप एक कागज पर अपने हाथों का माप लें और फिर उसे काटकर एक नमूना बना लें। नमूना बनाने के बाद इसे ऊन पर रखें और इसके अनुसार काटें। इस तरह आपके पास दो हिस्से तैयार हो जाएंगे, जिन्हें आप बाद में सिलकर दस्ताने बना सकते हैं।

सिलाई की प्रक्रिया

अब बारी आती है सिलाई की। दोनों कटे हुए हिस्सों को एक साथ लाकर सिलाई करें ताकि दस्ताना पूरा बन जाए। ध्यान रखें कि सिलाई अच्छी तरह से हो ताकि दस्ताना मजबूत रहे और जल्दी न फटे। आप चाहें तो सिलाई करने से पहले दोनों हिस्सों को पिन लगाकर रखें ताकि वे अपनी जगह पर स्थिर रहें और सिलाई करते समय हिले नहीं। इसके बाद आपका पहला ऊनी दस्ताना तैयार हो जाएगा, जिसे आप तुरंत इस्तेमाल कर सकते हैं।

उंगलियों के लिए भी बनाएं

दस्तानों के मुख्य हिस्से के अलावा उंगलियों के लिए भी अलग-अलग छोटे-छोटे टुकड़े काटें और उन्हें भी सिलाई करें। इसके लिए आप पहले उंगलियों वाले हिस्से को सिलाई करें, फिर उसके ऊपर उंगलियों वाले हिस्से को सिलाई करें। इस तरह आपका पूरा ऊनी दस्ताना तैयार हो जाएगा, जिसे आप आसानी से पहन सकते हैं और ठंड से बच सकते हैं। इस प्रक्रिया को अपनाकर आप अपने परिवार के लिए भी अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में दस्ताने बना सकते हैं।

सफाई और देखभाल करें

अब जब आपके पास एक बेहतरीन ऊनी दस्ताना तैयार हो गया है तो उसकी सफाई और देखभाल भी जरूरी है ताकि वह लंबे समय तक चल सके। दस्तानों को धोने के लिए हल्के साबुन का उपयोग करें और ठंडे पानी में धोएं ताकि उनका आकार बरकरार रहे। इन्हें हवा में सुखाएं और गर्म स्थानों पर रखने से बचें। इस प्रकार इन सरल चरणों का पालन करके आप आसानी से घर पर ही ऊनी दस्ताने बना सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हमेशा साथ रखें डार्क चॉकलेट, करती है दवाई का काम!

डार्क चॉकलेट हमारी सेहत के लिए जबरदस्त फायदे वाला है। तनाव और घबराहत होने पर डार्क चॉकलेट फायदेमंद होता है। कई स्टडी में भी इसे कंफर्म किया गया है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में भी यह लाभकारी होता है। डिप्रेशन की छुट्टी करने में डार्क चॉकलेट गजब का काम करता है। तनाव से भी यह बचाता है। आइए जानते हैं डार्क चॉकलेट तनाव और घबराहत में कितना असरदार होता है और इसके क्या-क्या फायदे होते हैं।

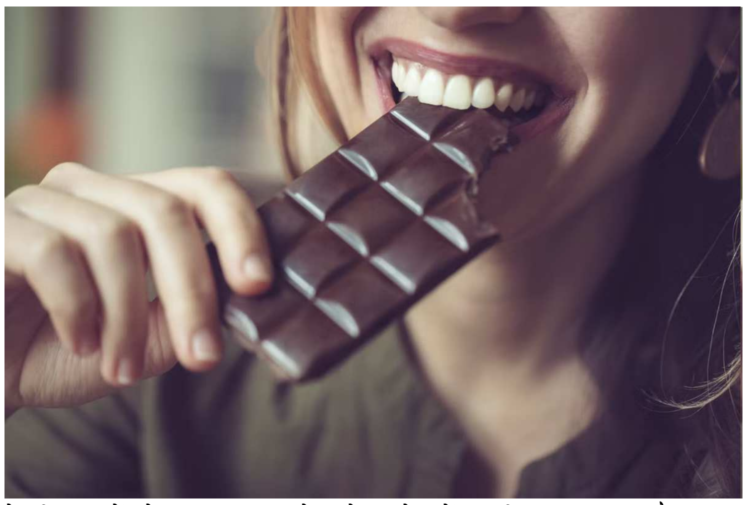

तनाव की छुट्टी कर देगा डार्क चॉकलेट

स्टडी के मुताबिक, डार्क चॉकलेट खाना तनाव को कम कर सकता है। रिसर्चर ने पाया है कि अगर आप करीब दो हफ्ते तक रोजाना एक मिडियम साइज यानी 40 ग्राम का डार्क चॉकलेट खाते हैं तो स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल के साथ ही न्यूरोहोर्मोनल हार्मोन का लेवल कम हो सकता है। तनाव की समस्या होने पर कैटेकोलामाइन न्यूरोट्रांसमिटर ज्यादा हो सकता है। डार्क चॉकलेट खाने से यह कम हो सकता है।

तनाव को कैसे कम कर देता है डार्क चॉकलेट

रिसर्च के अनुसार, डार्क चॉकलेट में कोकोआ होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट्स यानी फ्लेवोनोइड्स का अच्छा सोर्स है। सेहत के लिए यह कमाल का फायदेमंद होता है। रिसर्चर ने अपनी स्टडी में 30 पूरी तरह हेल्दी वयस्कों को शामिल किया। दो हफ्ते तक उन्हें हर दिन करीब 40 ग्राम डार्क चॉकलेट खाने को दिया। इस स्टडी में पाया गया कि इन लोगों में स्ट्रेस हार्मोन का लेवल कम हो गया। स्टडी में पाया गया कि डार्क चॉकलेट आंतों में मेटाबॉलिज्म और बैक्टीरिया की गतिविधि पर भी पॉजिटिव असर करता है।

स्ट्रेस को कम करता है डार्क चॉकलेट

1. डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोल्स नाम का केमिकल कंपाउंड पाया जाता है। जिसका दिमाग के काम पर सकारात्मक असर होता है। ब्रेन को शांत रखने के साथ यह रिएक्शन टाइम और मेमोरी को बेहतर बनाता है। फ्लेवोनोल्स ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन को भी दुरुस्त रखता है, जिससे स्ट्रेस में काफी आराम मिलता है।

2. इसमें पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट ब्लड प्रेशर लेवल को कम करने और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाने का काम करता है। इससे तनाव से मुक्ति मिलती है।

डार्क चॉकलेट के क्या-क्या फायदे होते हैं

1. दिमाग की सेहत को दुरुस्त बनाकर सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है।

2. डार्क चॉकलेट एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है।

3. ब्लड प्रेशर और इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार।

4. बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर हार्ट डिजीज का रिस्क कम करता है।

हाई ब्लड प्रेशर के मरीज पिएं बनाना शेक

कई लोगों को आपने देखा होगा कि उनका ब्लड प्रेशर अचानक से बढ़ जाता है। यह विभिन्न प्रकार की मेडिकल कंडीशन और दिनचर्या पर निर्भर करता है। कभी-कभी किसी का ब्लड प्रेशर इतना बढ़ जाता है कि जान पर बन जाती है। इसका सबसे ज्यादा खतरा रात में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को उस समय होता है जब उन्हें अचानक से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और घबराहट के कारण वह स्ट्रोक की चपेट में भी आ जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचे रहने के लिए यहां पर एक ऐसे ही खास शेक के बारे में बताया जा रहा है जिसे पीने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचे रहने के लिए बनाना शेक आपको बेहतरीन रूप से फायदा पहुंचा सकता है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बहुत आसान है। केले के अंदर मैग्नीशियम की मात्रा पाई जाती है। यह एक ऐसा मिनरल है जो ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी होता है। इस कारण यदि आप बनाना शेक का सेवन रात में सोने से पहले करते हैं तो उससे ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

आइए अब इसको तैयार करने की विधि के बारे में जानते हैं....

सामग्री: 2 बादाम,1 कप दूध,1 केला

सबसे पहले केले को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। बादाम को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। केले और बादाम को जूसर जार में डालकर ऊपर से दूध मिला दें। अब जूसर को कम से कम 5 से 7 मिनट तक चलाएं ताकि यह अच्छी तरह से शेक के रूप में तैयार हो जाए। अब इसे एक गिलास में निकालें और इसका सेवन करें।

शब्द सामर्थ्य -039

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

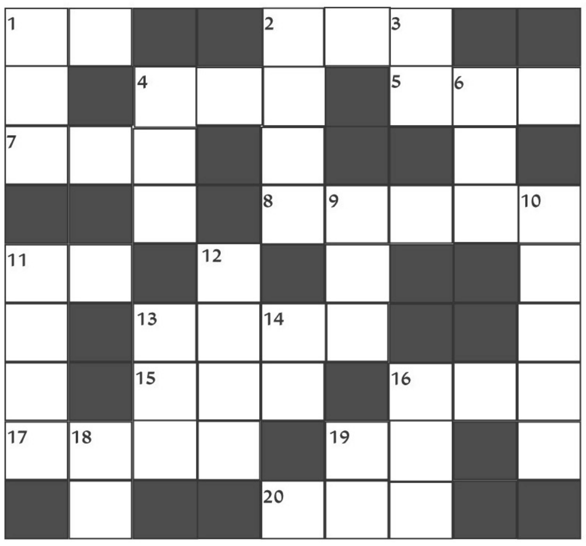

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 38 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

हिंदी सिनेमा के लॉयन : किताबें बेचकर मुंबई पहुंचे, सीमेंट की पाइपलाइन में बिताई कई रातें

हिंदी सिनेमा की दुनिया में कई ऐसे नाम हैं, जिनका सफर खुद एक फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। इन्हीं में एक नाम है अजीत खान, जिन्हें हिंदी सिनेमा का लॉयन कहा जाता है। पर्दे पर रौबदार आवाज और आंखों में खौफ लिए खलनायक के रूप में नजर आने वाले अजीत का जीवन संघर्ष और त्याग से भरा रहा। बहुत कम लोग जानते हैं कि बॉलीवुड का लॉयन बनने के लिए कभी उन्होंने अपनी किताबें तक बेच दी थीं। अजीत का असली नाम हामिद अली खान था। उनका जन्म 27 जनवरी 1922 को हैदराबाद में हुआ था। बचपन से ही उनके मन में फिल्मों को लेकर गहरी रुचि थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह अभिनय की दुनिया के सपने देखा करते थे। उस दौर में फिल्मों में जाना आसान नहीं था। उनका इंडस्ट्री में न कोई गॉडफादर था और न ही उनके पास पैसे थे। इसके बावजूद अजीत ने तय कर लिया कि वह मुंबई जाकर सपनों को पूरा करेंगे। जब उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया, तब उनके पास सफर के लिए भी पूरे पैसे नहीं थे। ऐसे हालात में अजीत ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई की किताबें बेच दीं, ताकि मुंबई पहुंच सकें। किताबें बेचकर वह मायानगरी पहुंचे, लेकिन यहां मुश्किलें खत्म नहीं हुईं, बल्कि असली संघर्ष यहीं से शुरू हुआ।

मुंबई में शुरुआती दिनों में अजीत को रहने के लिए भी जगह नहीं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ समय तक उन्हें सीमेंट की पाइपलाइन में रहना पड़ा। बड़े शहर में अकेले, बिना पैसे और पहचान के टिके रहना आसान नहीं था, लेकिन अजीत ने हार नहीं मानी। वह छोटे-मोटे रोल करते रहे और इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश करते रहे।

साल 1946 में अजीत को फिल्म शाह-ए-मिस्र में बतौर हीरो काम करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में मुख्य अभिनेता के तौर पर काम किया, लेकिन वह पहचान नहीं मिली, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसके बाद, अजीत ने विलेन के किरदारों को निभाना शुरू किया और यहीं से उनके करियर ने नया मोड़ ले लिया।

विलेन के रूप में अजीत ने हिंदी सिनेमा को एक नया अंदाज दिया। वह पर्दे पर शांत, स्टाइलिश और खतरनाक विलेन के रूप में सामने आए। उनके डायलॉग्स, बोलने का तरीका और आंखों की भाषा दर्शकों के दिलों को छू जाती थी। सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है, मोना डार्लिंग और लिली, डोंट बी सिली जैसे डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

अजीत ने करियर में कई यादगार फिल्मों में काम किया और हीरो को कड़ी टक्कर दी। खास बात यह थी कि विलेन होने के बावजूद उनकी फैन फॉलोइंग किसी हीरो से कम नहीं थी। पर्दे पर डर पैदा करने वाले अजीत असल जिंदगी में बेहद शांत और अनुशासित थे।

लंबे फिल्मी करियर के दौरान अजीत को उनके योगदान के लिए सम्मान भी मिला। उन्होंने हिंदी सिनेमा में विलेन की परिभाषा बदल दी और आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों के लिए एक मिसाल बन गए। 22 अक्टूबर 1998 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका रौबदार अंदाज और संघर्ष से भरी कहानी आज भी लोगों को प्रेरित करती है।

2 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3

मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। रिलीज डेट को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ऑफिशियली अनाउंस किया। यह डेट काफी खास है, क्योंकि यह अजय देवगन से जुड़ा हुआ है। इस अनाउंसमेंट से फ्रेंचाइजी के फैंस में काफी दिलचस्पी पैदा हुई है, जो जॉर्जकुट्टी की कहानी के आगे बढ़ने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि मोहनलाल की दृश्यम 3 हिंदी रीमेक से छह महीने पहले रिलीज होगी। इस अनाउंसमेंट के साथ मोहनलाल ने एक वीडियो पोस्ट भी किया गया, जिसमें फैंस को कहानी के बारे में कोई भी डिटेल बताए बिना फिल्म की एक झलक दिखाई गई।

फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी देते हुए मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने एक्स हैंडल पर अनाउंसमेंट टीजर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, साल बीत गए, लेकिन अतीत नहीं बीता, दृश्यम3 वर्ल्डवाइड रिलीज 2 अप्रैल, 2026।

मलयालम फिल्म दृश्यम 3 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की शूटिंग दिसंबर 2025 में पूरी हो गई थी। मेकर्स ने रैप-अप वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वहीं, अजय देवगन के हिंदी वर्जन की रिलीज 2 अक्टूबर, 2026 को तय है। दिसंबर 2025 में, हिंदी वर्जन के मेकर्स ने इसका प्रोमो ऑनलाइन जारी कर इसकी जानकारी दी थी।

आगामी फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में वापसी कर रहे हैं, उनके साथ मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, मुरली गोपी, सिद्दीकी और अन्य कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे।

फिल्म मेकर्स ने अभी तक फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन जाने-माने कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। यह फिल्म अजय देवगन के लिए एक तोहफा होगा, क्योंकि मोहनलाल की यह फिल्म अजय देवगन के जन्मदिन पर यानी 2 अप्रैल को रिलीज हो रही है।

मैं हर पल को जी रही हूं - शहनाज गिल

पंजाब की कटरीना के नाम से मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें शहनाज को केक काटते हुए और सबके साथ हंसते-खेलते दिखाया गया। वीडियो के आखिर में शहनाज सभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। साथ ही शहनाज ने भांगड़ा भी किया। वीडियो में सभी के साथ शहनाज बेहद खुश और एनर्जेटिक नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, आज 27 तारीख है और मैं अपने हर पल को पूरी तरह जी रही हूं। जन्मदिन मुबारक हो मुझे।

अभिनेत्री का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ गया। वे शहनाज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं।

पंजाब के जालंधर की रहने वाली शहनाज गिल ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर, उन्होंने माझे दी जट्टी और पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने किए, लेकिन लोगों की नजर अभिनेत्री पर गैरी संधू की बेबी से पड़ी थी। इसके बाद शहनाज ने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल और काला-शा-काला में काम किया।

अभिनेत्री साल 2019 में बिग बॉस 13 में नजर आई थीं। यहां शहनाज ने अपने चुलबुले अंदाज से प्रसिद्धि हासिल की थी। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं थीं।

बिग बॉस के बाद उन्होंने बॉलीवुड के कई गानों में काम किया। इसके बाद शहनाज ने सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान से हिंदी सिनेमा में कदम रखा और बाद में थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आई थीं। शहनाज फिल्म इक्क कुड़ी में भी नजर आई थीं। अभिनेत्री ने इस फिल्म के जरिए बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था।

ताहा शाह बदुशा ने साझा किया भावुक नोट: फैंस के अटूट प्यार के लिए जताया आभार

हीरामंडी और पारो स्टार ताहा शाह बदुशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक और दिल को छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने फैंस को उनके सफर में लगातार साथ देने के लिए धन्यवाद कहा है। फिलहाल एक कैंडिड तस्वीर के साथ लिखे गए इस रिफ्लेक्टिव कैप्शन ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है, जिसमें ताहा ने यह खूबसूरती से बताया कि उनका यह सफर कभी भी अकेले का नहीं रहा। अपने नोट में ताहा ने लिखा है, मैंने यह सफर कभी अकेले तय नहीं किया क्योंकि यह कभी सिर्फ मेरा था ही नहीं।ताहा शाह बदुशा द्वारा लिखे गए ये शब्द फैंस के बीच तुरंत गूंजने लगे। सिर्फ यही नहीं इन शब्दों के साथ उन्होंने कैंपस विज़िट्स के दौरान बिताए पलों का ज़िक्र करते हुए यह भी लिखा कि वहां तालियों की गूंज, सेल्फी और उत्साह से भरे चेहरे उन्हें अपने ही युवा रूप की याद दिलाते हैं, जो उम्मीदों से भरा था, थोड़ा बेचैन था, लेकिन सपनों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं था। ताहा के मुताबिक, ऐसे पल उन्हें यह एहसास कराते हैं कि उनका सपना अब सिर्फ उनका नहीं रहा। उन्होंने आगे लिखा, जो कभी एक अकेले का सपना था, आज कई लोगों का हो गया है। सपने वही हैं, बस टाइमलाइन अलग है इन शब्दों के जरिए उन्होंने अपने और अपने फैंस के बीच मौजूद साझा संघर्षों और आकांक्षाओं को बेहद सादगी से बयान किया।

इस पोस्ट को फैंस से खूब प्यार और सराहना मिली। कई लोगों ने ताहा की विनम्रता और ईमानदारी की तारीफ की, वहीं कुछ ने उनकी इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने अपने सफर में फैंस की भूमिका को खुले दिल से स्वीकार किया और अपनी भावनात्मक सच्चाई साझा की।

अपनी ज़मीन से जुड़े स्वभाव और मेहनत के लिए पहचाने जाने वाले ताहा शाह बदुशा न सिर्फ अपने काम के जरिए, बल्कि ऐसे सच्चे और भावुक पलों के ज़रिए भी दर्शकों से एक गहरा रिश्ता बनाते जा रहे हैं। उनका यह दिल से किया गया आभार इस बात की याद दिलाता है कि सफलता कभी अकेले नहीं मिलती और न अकेले की होती है। इसके पीछे अनगिनत दुआएं, भरोसा और साझा सपने होते हैं।

टिनशेड स्थायी आवंटन के लिए धरने पर डटे हैं केमसारी के लोग

नई टिहरी(आरएनएस)। केमसारी टिनशेड आवास का मालिकाना हक देने की मांग को लेकर कॉलोनीवासी 27वें दिन भी धरने पर डटे रहे। शासन-प्रशासन की ओर से अभी तक आंदोलनकारियों की कोई सुध नहीं लिए जाने पर उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। पुरानी टिहरी में टिहरी बांध का पानी भरने पर पुनर्वास सुविधा से वंचित करीब 235 शहरवासियों को 2002-03 में बौराड़ी के केमसारी में बनाए गए अस्थायी टिनशेड आवंटित किए गए थे। लेकिन अस्थायी आवंटन अभी तक स्थायी नहीं हो पाया है जिससे लोगों को जर्जर हो चुके टिनशेड में रहना पड़ रहा है। एकता शक्ति संगठन के अध्यक्ष सुरेंद्र खत्री ने बताया कि टिनशेड की बुनियाद और छत सड़ गई है जिससे बारिश का पानी कमरों के अंदर आता है। लोगों का परिवार बढ़ने पर वह एक ही कमरे में रहने को मजबूर हैं। टिनशेड स्थायी आवंटन नहीं होने के कारण वह उसकी मरम्मत नहीं कर पा रहे हैं। जिससे सभी कॉलोनीवासी टिनशेड आवास का स्थायी आवंटन की मांग करते आ रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस कारण वह आंदोलन करने को मजबूर हैं, लेकिन प्रशासन उनकी सुध नहीं ले रहा है। धरना देने वालों में मनीष तोमर, राजेश, निर्मला देवी, संतोषी देवी, हिना, फराना, फेमिदा, संध्या, उर्मिला धनाई, ममता पैन्यूली, कोमल, सानिया, मानसी, रेखा देवी और छटांगी देवी आदि शामिल थे।

अभ्यास के जरिए परखी आपदा से निपटने की तैयारियां

ऋषिकेश(आरएनएस)। एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के बीच संयुक्त अभ्यास का आयोजन हुआ। जिसमें जवानों ने वास्तविक आपदा परिदृश्यों के अनुरूप रेस्क्यू तकनीकों, उपकरणों के प्रयोग, सर्च पैटर्न, प्राथमिक चिकित्सा, मेडिकल रिस्पॉन्स और आपसी समन्वय का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। सोमवार को जॉलीग्रांट स्थित एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय में परिचयात्मक अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडीआरएफ के सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने अभ्यास के विभिन्न चरणों का निरीक्षण किया और टीमों की कार्यकुशलता, अनुशासन एवं समन्वय को बारीकी से देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ढही हुई संरचनाओं में खोज एवं बचाव (सीएसएसआर) प्रतियोगिता आयोजित की जानी है। कहा कि सीएसएसआर प्रतियोगिता का उद्देश्य भूकंप, भवन ध्वस्तीकरण और संरचनात्मक ढहाव जैसी आपदाओं के दौरान मलबे में फंसे लोगों की खोज एवं सुरक्षित रेस्क्यू के लिए बलों की तकनीकी दक्षता, त्वरित प्रतिक्रिया, टीम वर्क और आधुनिक रेस्क्यू तकनीकों का मूल्यांकन करना है। प्रस्तावित प्रतियोगिता की तैयारियों के क्रम में एनडीआरएफ टीम ने एसडीआरएफ के साथ संयुक्त अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान वास्तविक आपदा परिदृश्यों के अनुरूप रेस्क्यू तकनीकों, उपकरणों के प्रयोग, सर्च पैटर्न, प्राथमिक चिकित्सा, मेडिकल रिस्पॉन्स और आपसी समन्वय का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। मौके पर सहायक सेनानायक आरएस धपोला, प्रशिक्षण निरीक्षक प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम को बजट न मिलना गंभीर चिंता का विषय:वैभव पांडे

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अल्मोड़ा नगर में प्रदेश सरकार के मंत्री, कैबिनेट स्तर के नेता और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के लगातार दौरों और बैठकों के बावजूद नगर निगम को अब तक विकास कार्यों के लिए ठोस बजट नहीं मिल पाया है। इसे नगर निगम पार्षद वैभव पांडे ने गंभीर और चिंताजनक स्थिति बताया है।

प्रेस को जारी बयान में वैभव पांडे ने कहा कि नगर निगम सभागार में बड़े स्तर के आयोजन हो रहे हैं और मंत्री नियमित रूप से नगर क्षेत्र का निरीक्षण भी कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम की आर्थिक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नगर की सड़कों की हालत, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता है, जबकि धनराशि के अभाव में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

पार्षद ने कहा कि नगर की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद मंत्री और वरिष्ठ नेता अपने स्तर पर सरकार के उच्च अधिकारियों से नगर निगम के लिए बजट स्वीकृत कराने की कोई ठोस पहल करते नजर नहीं आ रहे हैं, जो अल्मोड़ा की जनता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री और वरिष्ठ नेता प्रतिदिन अल्मोड़ा में कार्यक्रम कर सकते हैं, तो नगर के विकास के लिए आवश्यक बजट दिलाना भी उनकी जिम्मेदारी है। वैभव पांडे ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही एक बार फिर जनता को मुद्दों में उलझाने के प्रयास होंगे, लेकिन अब अल्मोड़ा की जागरूक जनता केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि वास्तविक विकास और पर्याप्त बजट चाहती है। उन्होंने नगर के समग्र विकास के लिए शीघ्र नगर निगम को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि मूलभूत समस्याओं का समाधान हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

जीआईसी अण्डोली में एक माह से जलापूर्ति ठप, छात्र परेशान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। राजकीय इंटर कॉलेज अण्डोली में बीते एक माह से पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। स्कूल में पानी की समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले तीन-चार वर्षों से यह लगातार गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पेयजल निगम की निर्माण शाखा इस समस्या को लेकर कभी गंभीर नहीं रही। कभी एक-दो दिन पानी की आपूर्ति कर दी जाती है, इसके बाद महीनों तक नल सूखे पड़े रहते हैं। पानी की किल्लत से अण्डोली क्षेत्र के चन्द्र मणी भट्ट, पिताम्बर भट्ट, भुवन भट्ट सहित कई परिवार परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री घर-घर नल जल योजना भी क्षेत्र में प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है। चन्द्र मणी भट्ट ने बताया कि स्कूल में पानी की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। वर्तमान में जीआईसी अण्डोली में कक्षा छह से बारह तक के करीब 150 छात्र अध्ययनरत हैं। पानी न होने के कारण मध्याह्न भोजन बनाने वाली माताओं को दूर-दराज के नौलों से पानी ढोना पड़ रहा है। वहीं शौचालयों में पानी की व्यवस्था न होने से छात्रों को भारी पेशानी झेलनी पड़ रही है। अभिभावकों ने मांग की है कि स्कूल के लिए मुख्य टैंक से अलग लाइन डाली जाए और सैगाड़ अण्डोली पेयजल योजना का पुनर्निर्माण किया जाए, ताकि छात्रों और ग्रामीणों को इस लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिल सके।

थत्यूड़ बाजार की अधिकांश सौर ऊर्जा की स्ट्रीट लाइटें पड़ी हैं खराब

नई टिहरी(आरएनएस)। विकासखंड मुख्यालय का प्रमुख बाजार थत्यूड़ में अधिकांश सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं। जिला पंचायत की ओर से बाजार में कुल 10 सौर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी लेकिन वर्तमान में इनमें से मात्र दो ही लाइटें जल रही है। आठ लंबे समय से बंद पड़ी हुई हैं। थत्यूड़ बाजार में शाम ढलने के बाद पर्याप्त पथ प्रकाश की व्यवस्था न होने के कारण व्यापारियों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पुलिस प्रशासन को भी रात्रिकालीन गश्त के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण बाजार क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना मुश्किल हो रहा है। व्यापारी जगत सिंह असवाल का कहना है कि स्ट्रीट लाइटें खराब होने और पर्याप्त संख्या में न लगने के कारण चोरी की घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। उन्होंने बताया कि रात करीब नौ बजे के बाद बाजार क्षेत्र में घुप अंधेरा छा जाता है जिससे लोगों को चलने-फिरने में परेशानी होती है। जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है। कई बार अचानक जानवरों के निकल आने से राहगीरों में डर का माहौल बन जाता है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार ने बताया कि बाजार क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए व्यापार मंडल की ओर से जिला पंचायत को 30 नई स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने का प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है। बावजूद अब

तक न तो नई लाइटें लग पाई हैं और न ही खराब पड़ी लाइटों की मरम्मत कराई गई है। कहा कि थत्यूड़ बाजार से जिला पंचायत को सबसे अधिक राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन बाजार को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरे के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को रात के समय बाजार आने-जाने में डर लगता है। दुकानों के जल्दी बंद होने से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत टिहरी के कार्य अधिकारी एसएस कठैत ने बताया कि वर्ष 2025-26 के प्लान में ग्रामीण बाजारों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने का कार्य किया जाना है। थत्यूड़ बाजार में भी एक माह के भीतर नई स्ट्रीट लाइटें लगा दी जाएंगी। पुराने और खराब पड़े लाइटों की मरम्मत के लिए संबंधित ठेकेदार को सूचित कर जल्द ही दुरुस्त किया जाएगा।

ग्रामीणों ने की रोज लगने वाले जाम पर तत्काल अंकुश लगाए जाने की मांग

रुड़की(आरएनएस)। कस्बे में हर रोज घंटों लगने वाले जाम को झेलने की ग्रामीणों की नियति बन गई है। इसे लेकर न तो पुलिस विभाग और न हीं प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। स्कूल टाइम में भी खनन के भारी वाहन और ओवरलोड गन्ना वाहन सड़कों से गुजर रहे हैं। लेकिन ग्रामीणों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। ग्रामीणों ने इस पर तत्काल अंकुश लगाए जाने की मांग की है।

इस समय गन्ना सीजन चल रहा है। जिसके चलते गन्ने से भरे ओवरलोड वाहन गांव के संपर्क मार्गों से लेकर मुख्य मार्ग को तक दौड़ रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी मुसीबत ग्रामीणों को मिट्टी से लदे ओवरलोड डंपरों से हो रही है। सबसे ज्यादा दिक्कत तो दोपहर दो बजे के बाद शुरू होती है।

जब स्कूलों की छुट्टी होती है तो उस समय स्कूली बस, गन्ने से लदे वाहन और ओवरलोड मिट्टी से लदे खनन वाहन तीनों भुरनी तिराहे पर इकट्ठे होते हैं तो जाम की स्थिति बन जाती है। वहीं यह समय टायर फैक्ट्री के कर्मचारियों की भी छुट्टी का भी होता है। ऐसी स्थिति में यह तिराहा जाम का अड्डा बन जाता है और जिसकी वजह से स्कूली बच्चों के साथ आमजन को परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना था कि इस समय ओवरलोड वाहनों की आवाजाही बंद करने के बाबत कई बार पुलिस व प्रशासन से भी गुहार लगा दी है, लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। उनका कहना था कि स्कूली टाइम में ओवरलोड वाहनों को एक घंटे के लिए बंद कर दिया जाए ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। जाम की वजह से आसपास स्थित दुकानदार रेहड़ी, ठेली और फल विक्रेता रास्ते से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ग्रामीण बेहद परेशान है। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस प्रशासन को चाहिए कि वह स्कूली छुट्टी के समय इस तिराहे पर चेतक पुलिस कर्मियों को तैनात करें, ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इधर, लक्सर कोतवाली इंस्पेक्टर प्रवीण कोश्यारी ने कहा कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सू- दोकू क्र.039

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.38 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

पेयजल समस्या को लेकर दिया अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। एकता विहार कॉलोनी पित्तथूवाला क्षेत्र वासियों का एक प्रतिनिधि मंडल पेयजल एवं निर्माण निगम कार्यालय इंदिरा नगर पर पहुंचा और वहां पेयजल अधिशासी अभियंता श्रीमती भारतीय से मिलकर क्षेत्र में पाइप लाइन डलवाने की मांग करते हुए एक ज्ञापन के साथ संगलन एक साल पूर्व का आवेदन जिस पर पूरे क्षेत्र वासियों के हस्ताक्षर थे सौंपा और क्षेत्र में पानी न होने के कारण हो रही समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही क्षेत्र वासियों ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में सड़क, नाली, पानी न होने की परेशानियों से जनता ग्रस्त है। आगे अवगत कराते हुए क्षेत्र वासियों ने कहा कि क्षेत्र वासियों की ओर से एक साल पूर्व पाइप लाइन डालने के लिए कार्यालय में आवेदन दिया गया था जो इस ज्ञापन के साथ संगलन है। उस समय क्षेत्र वासियों को बताया गया था कि अभी इस कार्य के लिए बजट पास नहीं है शासन से बजट पास करा कर काम को शीघ्र किया जाएगा। पुनः कार्यालय से संपर्क करने पर कार्यालय द्वारा बताया गया कि बजट पास हो चुका है और टेंडर प्रक्रिया चल रही है जल्द काम को पूर्ण किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने पेयजल अभियंता को वार्ता करते हुए बताया कि अब एकता विहार में सड़क निर्माण कार्य चालू हो चुका है बजट पास है क्षेत्रवासियों की मांग है कि इस काम को शीघ्र सड़क बनने से पहले पूर्ण करने की कृपा करें जिससे जनता को परेशानी का सामना न करना पड़े और क्षेत्र की जनता को साफ और शुद्ध पेय जल मिल सके। इस पर पेयजल अभियंता श्रीमती भारती ने क्षेत्र वासियों को आश्वासन देते हुए कहा कि हमने आपके द्वारा बताई गई परेशानियों को संज्ञान में लेते हुए और आपकी मांग पर ध्यान करते हुए संबंधित अधिकारियों को इस कार्य के लिए निर्देशित कर दिया है। यह कार्य दो दिन में शुरू हो जाएगा और सड़क के निर्माण से पहले पूर्ण हो जाएगा। वार्ता के दौरान सहायक अभियंता बलदेव सिंह रावत और कनिष्ठ अभियंता दीक्षा कंडवाल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर ज्ञापन सौंप कर मांग करने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता आरिफ वारसी, फैजान अहमद, नवाबुद्दीन, प्रभात डंडरियाल, वाहिद हुसैन, शाहनवाज, सादिक, सालार, जेद, उजैर सहित अनेकों लोक उपस्थित रहे।

सगे भाई पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सगे भाई पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त पाटल बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते सोमवार को राकेश कुमार निवासी पाबो, पौड़ी द्वारा कोतवाली पौड़ी में तहरीर देकर बताया गया था कि बीते 7 फरवरी की रात को उनके भाई कुलदीप सिंह द्वारा उनके छोटे भाई राजेन्द्र सिंह के साथ विवाद कर जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार (पाटल) से सिर पर वार किया गया, जिससे राजेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीती रात आरापी कुलदीप सिंह को फल्दवाड़ी, मदकोली से गिरफ्तार किया गया। साथ ही आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार (पाटल) को भी बरामद किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो गयाः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। लालचंद शर्मा ने कहा कि व्यस्त बाजार क्षेत्र में खुलेआम गोली मारकर हत्या कर देना दर्शाता है कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है। आज यहां राजधानी के तिब्बती मार्केट क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई अर्जुन शर्मा की हत्या को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लालचंद शर्मा ने जारी बयान में कहा कि व्यस्त बाजार क्षेत्र में खुलेआम गोली मारकर हत्या कर देना दर्शाता है कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से राजधानी सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हत्या, लूट, फायरिंग और अन्य आपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम जनता में असुरक्षा की भावना पनप रही है। उन्होंने कहा, “देवभूमि उत्तराखंड की पहचान शांति और सौहार्द से रही है, लेकिन आज स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। जब राजधानी के बीच बाजार में दिनदहाड़े हत्या हो सकती है, तो आम नागरिक खुद को सुरक्षित कैसे समझे। कांग्रेस नेता ने सरकार से मांग की कि घटना की उच्चस्तरीय जांच कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर ठोस रणनीति बनाई जाए। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने की भी मांग की। लालचंद शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी जनता के हित में आंदोलन करने पर मजबूर होगी। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से उन्हें उचित सहायता देने की मांग भी की।

मुख्यमंत्री धामी ने की राज्य में प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन रेल परियोजनाओं की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्य में प्रस्तावित रेल परियोजनाओं में टनल के साथ बनने वाले एस्केप टनल को समानांतर सड़कों (पैरेलल रोड्स) के रूप में विकसित किया जा सके, इसकी व्यवस्था बनाई जाए। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना में बनी एस्केप टनल का भविष्य में किस प्रकार इस्तेमाल किया जा सकता है, इसपर भी कार्य योजना तैयार जाए साथ ही कर्णप्रयाग से बागेश्वर तक रेल लाइन के विस्तार की संभावना पर भी कार्य किया जाए।

यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में राज्य में निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को टनकपुर - बागेश्वर रेल लाइन परियोजना पर भी तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा उक्त परियोजना के अंतर्गत विभिन्न वैकल्पिक मार्गों पर भी विचार किया जाए। उन्होंने कहा परियोजना के निर्माण कार्य से अधिकांश क्षेत्र एवं जनता लाभान्वित हो सके इसके लिए अल्मोड़ा एवं सोमेश्वर क्षेत्र को भी जोड़ने की संभावनाओं पर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋषिकेश कर्णप्रयाग परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित रेलवे स्टेशनों के लिए इंटीग्रेटेड प्लान बनाया जाए। जिससे इन रेलवे स्टेशनों के आसपास स्थानीय लोगों के लिए बाजार विकसित हो सके। उन्होंने कहा सभी निर्माणाधीन रेलवे स्टेशनों में स्वयं सहायता समूहों, राज्य की स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रस्तावित रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में अभी से लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए उन्हें होमस्टे एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जन जागरूकता पर ध्यान दिया जाए। बैठक में बताया गया कि ऋषिकेश करणप्रयाग रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत 72.5 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है साथ ही टनल निर्माण का 95.30% कार्य पूरा हो गया है। इस परियोजना के अंतर्गत कुछ कल 28 टनलों का निर्माण किया है जिनमें से 16 मुख्य टनल एवं 12 एस्केप टनल हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रस्तावित रेलवे स्टेशनों का निर्माण अलग-अलग थीम के आधार पर किया जा रहा है। जिसमें शिवपुरी स्टेशन को नीलकंठ महादेव, ब्यासी को महर्षि वेदव्यास, देवप्रयाग को समुद्र मंथन, जनासु को उत्तराखंड कल्चर, मलेथा को वीर माधो सिंह भंडारी, श्रीनगर को मां राज राजेश्वरी देवी, धारी देवी को मां धारी देवी, तिलनी को केदारनाथ, घोलतीर को पांच महादेव, गौचर को बाल गोविंद कृष्ण एवं कर्णप्रयाग को बद्रीनाथ मंदिर,राधा कृष्ण थीम पर आधारित निर्माण किया जा रहा है।

सरे आम गोलीबारी और हत्या से खुल रही पुलिस के दावों की पोलः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। आईसीसी सदस्य व उत्तराखण्ड कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि उत्तराखण्ड में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है जिसका उदाहरण सरे आम गोलीबारी कर युवक की हत्या ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी है।

आज एआईसीसी सदस्य व उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उत्तराखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से रसातल में चली गई है और पुलिस का खौफ अपराधियों के दिल दिमाग से पूरी तरह समाप्त हो चुका है, आज तिब्बती मार्केट में प्रेस क्लब से चंद कदमों की दूरी पर हुई गोलीबारी और उसमें हुई युवक की हत्या से कांग्रेस का यह आरोप एक बार फिर साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि सुबह सुबह परेड ग्राउंड से टेनिस खेल कर अपने घर जाने की तैयारी में अर्जुन शर्मा नाम के युवा पर बेखौफ बदमाशों ने गोलीबारी की और फरार हो गए। धस्माना ने कहा कि इसी तरह पिछले सप्ताह पलटन बाजार में गुंजन नाम की युवती का सुबह सुबह बीच पलटन बाजार में एक अपराधी युवा ने चौपड से गर्दन काट कर कत्ल कर दिया और फिर टहलता हुआ पुलिस के पास जा कर आत्मसमर्पण कर दिया। धस्माना ने कहा कि उसी सप्ताह ऋषिकेश समेत तीन युवतियों की हत्या और हरिद्वार में रविदास जयंती पर आयोजित भंडारे में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत का प्रकरण उत्तराखंड को अपराध की श्रेणी में यूपी व बिहार की बराबरी में ला कर खड़ा कर रहा है। धस्माना ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार को नफरतें फैलाने व नफरती क्रियाकलाप करने वाले अराजक तत्वों की पीठ थपथपाने से फुर्सत नहीं है और उनकी पुलिस को जमीनों के विवाद सुलझाने से फुर्सत नहीं है और अपराधी इन परिस्थितियों का लाभ उठा कर लगातार अपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का आगामी 16 फरवरी को राजभवन कूच का एक प्रमुख मुद्दा प्रदेश की ध्वस्त पड़ी कानून व्यवस्था व अंकिता भंडारी समेत राज्य में महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रही अपराधिक हिंसा होगा।

देवलाणी मैदान में 18 फरवरी को लगेगा बहुउद्देशीय शिविर

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 18 फरवरी को प्रातः 11 बजे से तहसील बसुकेदार के देवलाणी मैदान (बक्सीर) में “जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार” अभियान के तहत बहुउद्देशीय शिविर/प्रशासन गाँव की ओर कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर की अध्यक्षता जिलाधिकारी प्रतीक जैन द्वारा की जाएगी।

शिविर में जनपद के समस्त विभागों द्वारा प्रतिभाग करते हुए अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, कार्यक्रमों एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का मौके पर ही लाभ प्रदान किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल एवं प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जहां विभागीय कार्मिकों द्वारा स्थानीय जनमानस को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा लोगों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही उनका निराकरण किया जाएगा। अधिकारी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ क्षेत्र की जमीनी समस्याओं की जानकारी भी प्राप्त करेंगे, जिससे उनके समाधान हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकेगी।

यह शिविर विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, जहां उन्हें विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही स्थान पर सभी सेवाएं उपलब्ध होंगी। उक्त समस्त क्षेत्र वासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

कैबिनेट की बैठक में ड्रग फ्री उत्तराखण्ड सहित छह प्रस्ताव पास

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट की बैठक में ड्रग फ्री उत्तराखण्ड सहित छह विषयों पर प्रस्ताव पास किये गये।

आज यहां राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद उत्तराखंड में ड्रग फ्री मुहिम और तेज होगी। अभी तक एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स में पुलिस फोर्स से प्रतिनियुक्ति पर कार्मिक लिए जा रहे थे। टॉस्क फोर्स का गठन 2022 में किया गया था। अब इस फोर्स के लिए अलग से ढांचा खड़ा करने की शुरूआत हुई है। इस क्रम में राज्य मुख्यालय में पहली बार 22 पदों का सृजन किया गया है। एक पुलिस उपाधीक्षक, दो ड्रग निरीक्षक, एक निरीक्षक, दो उपनिरीक्षक, चार मुख्य आरक्षी और आठ आरक्षी, दो आरक्षी चालक समेत कुल 22 पद सृजित किए जाएंगे।

राज्य मंत्रिमंडल ने वन विभाग में कार्यरत दैनिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतनमान दिए जाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मंत्रिमंडलीय उप-समिति ने सरकार को संस्तुति दी थी। इस आधार पर सरकार ने 589 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को न्यूनतम 18 हजार रूपये वेतन देने का निर्णय लिया है। वन विभाग/वन विकास निगम में कार्यरत दैनिक श्रमिकों की कुल संख्या 893 है, जिसमें से 304 श्रमिकों को पूर्व से ही न्यूनतम वेतनमान का लाभ प्राप्त हो रहा है।

राज्य मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड कारागार और सुधारात्मक सेवाएं (संशोधन) अधिनियम, 2026 के प्रारूपण के संबंध में भी निर्णय लिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों में यह निर्देशित किया गया है कि कारागार नियमावलियों/मॉडल प्रिजन मैनुअल में प्रयुक्त "आदतन अपराधी" शब्द की परिभाषा संबंधित राज्य विधानमंडलों द्वारा अधिनियमित कानूनों के अनुरूप होनी चाहिए। संशोधन विधेयक को आगामी सत्र में माननीय उत्तराखंड विधान सभा के समक्ष पुनः स्थापित किए जाने की राज्य मंत्रिमंडल ने अनुमोदन प्रदान कर दिया है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान उद्योगों को राहत प्रदान किए जाने के उद्देश्य से बोनस संदाय (उत्तराखण्ड संशोधन) विधेयक, 2020 के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया था कि नियोजक के पास आवंटनीय अधिशेष उपलब्ध होने की स्थिति में ही कर्मचारियों को न्यूनतम बोनस का भुगतान किया जाएगा। उक्त विधेयक में किए गए प्रावधानों के संबंध में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा असहमति व्यक्त की गई। साथ ही वर्तमान में कोविड-19 महामारी जैसी परिस्थितियाँ विद्यमान न होने तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के बिना विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराए जाने के कारण विधेयक को आगे बढ़ाया जाना संभव नहीं हो पाया। उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत बोनस संदाय (उत्तराखण्ड संशोधन) विधेयक, 2020 को यथास्थिति विधान सभा से वापस लिए जाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है।

मृत्यु प्रमाण पत्र प्रकरण में लापरवाहीः डीएम ने डीपीआरओ का रोका वेतन तो जारी हुए प्रमाण पत्र

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने मृत्यु प्रमाण पत्र प्रकरण में लापरवाही बरतने पर डीपीआरओ का वेतन रोका तो प्रमाण पत्र जारी हुआ।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में जिले के विकास खंड डोईवाला ग्राम इठारना, तहसील ऋषिकेश में 01 दिसम्बर 2025 को आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में प्राप्त शिकायतों के क्रम में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। ग्राम पंचायत गौहरी माफी निवासी प्रदीप सिंह पुत्र स्व. भगत सिंह द्वारा अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने तथा बलबीर सिंह रावत पुत्र स्व. चन्दन सिंह द्वारा अपनी माता स्व. जयवन्ती देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न किए जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई थी।

प्रकरण में उपजिलाधिकारी, ऋषिकेश के पत्र 18 फरवरी 2025 के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश निर्गत किए गए थे। तत्पश्चात कार्यालय 29 दिसम्बर 2025 द्वारा सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), विकासखंड डोईवाला को निर्देशित किया गया कि प्रकरण पर तीन दिवस के भीतर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराएं।

इसके बावजूद पंचायतराज स्तर पर समयबद्ध कार्यवाही न किए जाने की शिकायत जिलाधिकारी को प्राप्त हुई। शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्रों पर अपेक्षित कार्रवाई में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए प्रकरण के निस्तारण तक जिला पंचायत राज अधिकारी, देहरादून के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए थे, जिसके फलस्वरुप जिला पंचायत राज अधिकारी, देहरादून के वेतन आहरण पर रोक लगा दी गई है।

वेतन रोकने की कार्रवाई के तत्पश्चात संबंधित ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गौहरी माफी द्वारा प्रदीप सिंह के पिता स्व. भगत सिंह तथा बलबीर सिंह रावत की माता स्व. जयवन्ती देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र 08 फरवरी 2026 को जारी कर दिया गया है। प्रकरण के निस्तारण उपरांत जिला पंचायत राज अधिकारी, देहरादून के वेतन आहरण पर लगी रोक हटाए जाने के संबंध में पत्रावली उच्च स्तर पर प्रस्तुत की गई है। जिला प्रशासन के सख्त निर्देश हैं कि जनमानस की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर क्षम्य नही होगी।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की हिलाहवाली स्वीकार्य नहीं होगी।

ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझी, मथुरा से दबोचा कातिल दोस्त

❑कुछ दिन पूर्व जंगल में झाड़ियों में मिला था युवक का शव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्यारे दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा बहनों पर गंदी टिप्पणी किये जाने के कारण हत्या की इस घटना को अंजाम दिया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीती 7 फरवरी को थाना कनखल पुलिस को सूचना मिली कि श्रीयंत्र पुलिया के पास झाड़ियों में एक अज्ञात बालक का लहूलुहान शव पड़ा है। मौके पर पहुँची पुलिस ने शिनाख्त की, तो मृतक की पहचान कुनाल पुत्र रोहिताश, निवासी रामपुर रायघाटी थाना लक्सर हाल निवासी लाटोवाली थाना कनखल के रूप में हुई। मौके पर साक्ष्य जुटाने हेतु फील्ड यूनिट की बुलाई गई व मृतक के पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। हत्यारे की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत करते हुए सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों को खंगाले गए। जिसमे पुलिस टीम को सीसीटीवी में मृतक कुनाल शराब के ठेके पर शराब खरीदते हुए एक संदिग्ध स्कूटी पर किसी व्यक्ति के साथ जाता हुआ दिखा। स्कूटी सवार की पड़ताल करने पर स्कूटी सवार की पहचान अरविन्द उर्फ शिवम के रूप में हुई, जो घटना के बाद से मथुरा फरार हो गया था। जिसे पुलिस द्वारा देर रात मथुरा से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी अरविन्द ने बताया कि मैं कुछ महीनों से अपनी नानी के साथ कनखल में रह रहा था। वह और कुनाल (मृतक) दोस्त थे और पड़ोस में ही रहते थे। बताया जा रहा है 6 फरवरी की रात दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। नशे की हालत में कुनाल अविन्द की बहनों पर गंदे लांछन लगाने लगा और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विवाद बढ़ने पर कुनाल ने अरविन्द को थप्पड़ मारे, जिसके बाद गुस्से में आकर अरविन्द ने पास पड़े भारी पत्थर से कुनाल के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

सरस मेला एवं फूड फेस्टिवल 2026 की तैयारियों को लेकर मंत्री ने ली बैठक

संवाददाता

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने सरस मेला एवं फूड फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

आज यहां ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों के साथ आगामी सरस मेला एवं फूड फेस्टिवल 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने निर्देश दिए कि जनपद उधम सिंह नगर में 14 से 23 फरवरी तक आयोजित होने वाले 10 दिवसीय सरस मेला तथा जनपद चम्पावत में 18 से 24 फरवरी तक प्रस्तावित सात दिवसीय फूड

फेस्टिवल की सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं, ताकि कार्यक्रमों का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की प्रगति की भी जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों ने अवगत कराया कि पहाड़ की महिलाओं द्वारा तैयार उत्तराखंडी उत्पादों के इस ब्रांड ने लॉन्चिंग के मात्र दो वर्षों के भीतर साढ़े तीन करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि आगामी समय में हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद विदेशों में भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तिकरण एवं स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर अपर सचिव ग्राम्य विकास झरना कमठान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।